Padma Bhushan

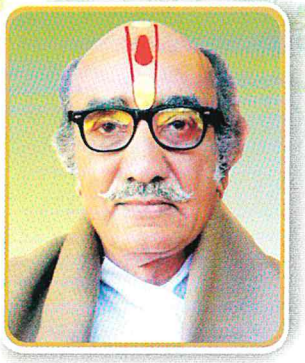

Dr. Pandit Gokulotsavji Maharaj

Dr. Pandit Gokulotsavji Maharaj is the most accomplished world famed Indian Classical Vocalist of Khayal & Dhrupad gayan of this generation. He belongs to Samved (mother of Indian Music) and Krishna Yajurved parampara

2. Born on January 16, 1956, Panditji's melodious voice and intricate fast taans upto three octaves are the major features of his gayaki. He presents Meru-khand, khand-meru, sa-khand meru, akhand-meru oriented inticrates taans with gamak oriented Taan, Bal Pench, Chutt-sapaat, etc. He has also created a number of new ragas such as Adbhut Ranjani, Divyagandhar, Madhur Malhar Prassanpada, Sneh Gandhar, Madhur Dhwani, Kanhda. He conducts several creative projects for the revival of rare and old Samved Sanskrity.

3. Panditji is the vocalist having equal command over the various art languages i.e. writing, composing, and oratory. He has written sanskrti bhashyam upon Ved, Upnishad and Geeta. Under the pen name of Madhur-piya, he has created and composed more than 5000 poems in various languages such as Braj Bhasha, Hindi, Sanskrit, Persian, Urdu, etc. He is a trustee of Bharat Bhavan, First Court Judge of Dr. Harisingh Gaud - Sagar University and member of ICCR.

4. Panditji has participated in various prestigious National and International music festivals. Few of them are Tansen Sangeet Sammelan, International World Music Festival - Belgium, Indian High Commission - London, World Music Festival - Germany, Harvard University - USA, Sangeet Natak Academy - Lucknow, ITC - Kotkota, Sawai Gandharv Festival - Pune, Saptak - Ahemdabad, Gunidaas Sangeet Sammelan - Mumbai, Shree Kesarbai Kerkar Smruti Samaroh - Goa, BBC - London, International Music Festival - Secra Germany, Abhinav Kala Samaj- Indore, MIT- Boston, USA, Beverly Art Center-Chicago, Ustad Alaudin Khan Smruti Samaroh- Bhopal, Sangeet ke Akhil Bhartiya Program -AIR, Bhartiya Vidya Bhavan - London, Annual Radio Sangeet Sammelan and many more.

5. Panditji has received various awards and honours including Padma Shree; National Tansen Samman; Twice President Gold Medal; D. Lit by Vikram University; Shatabdi Samman by International PVP; Sangeet Vishwa Martand; Shrestha Kala Acharya; Tan Samrat; Ocean of Jewels - Chicago; Voice of the Century - Germany; Hindustan Times Lifetime Achievement Award; Abhinav Sangeet Ratna etc.

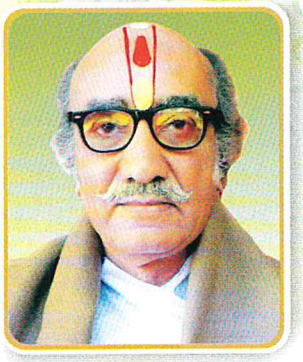

डॉ. पण्डित गोकुलोत्सवजी महाराज

डॉ. पण्डित गोकुलोत्सवजी महाराज, इस पीढ़ी के खयाल और ध्रुपद गायन के सर्वाधिक कुशल विश्व प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक हैं। आप सामवेद (भारतीय संगीत जनक-मूल) और कृष्ण यजुर्वेद परम्परा से संबंध रखते हैं।

2. आपका जन्म जनवरी 16, 1956 को हुआ। आपकी सुरीली आवाज़ और तीन अष्टकों तक की जटिल सत्वर तानें आपकी गायकी की मुख्य विशेषताएं हैं। आप मेरु-खण्ड, खण्ड-मेरु, स-खण्ड मेरु, अखण्ड-मेरु-अभिमुखी तानों को गमक अभिमुखी तान बल पेंच, चट-सपाट आदि के साथ प्रस्तुत करते हैं। आपने अद्‌भुत रंजनी, दिव्य गंधार, मधुर मल्हार प्रसन्नपद, स्नेह गन्धार, मधुर ध्वनि, कन्हद जैसे अनेक नए रागों की रचना भी की है। आप विरली और पुरानी सामवेद संस्कृति का पुनरूत्थान करने के लिए अनेक सृजनात्मक परियोजनाओं का भी संचालन करते हैं।

3. आप एक ऐसे गायक हैं, जो विभिन्न कला-शैलियों अर्थात् लेखन, रचना-कार्य एवं भाषण-कला पर समान अधिकार रखते हैं। आपने वेद, उपनिषद और गीता पर संस्कृत भाष्यम लिखा है। आपने साहित्यिक उपनाम मधुर-पिया के अन्तर्गत ब्रज भाषा, हिंदी, संस्कृत, फ़ारसी, उर्दू आदि जैसी विभिन्न भाषाओं में 5000 से अधिक कविताओं का सृजन और संयोजन किया है। आप भारत भवन के न्यासी, डॉ. हरिसिंह गौड-सागर विश्वविद्यालय के फ़र्स्ट कोर्ट जज और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् (आई सी सी आर) के सदस्य हैं।

4. आपने विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगीत महोत्सवों में भाग लिया है। उनमें, तानसेन संगीत सम्मेलन, अन्तरराष्ट्रीय विश्व संगीत महोत्सव-बेल्जियम, भारतीय उच्चायोग-लंदन, विश्व संगीत महोत्सव-जर्मनी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय-यू.एस.ए., संगीत नाटक अकादमी-लखनऊ, आई.टी.सी.-कोलकाता, सवाई गंधर्व महोत्सव-पुणे, सप्तक-अहमदाबाद, गुणीदास संगीत सम्मेलन-मुम्बई, श्री केसरबाई केरकर स्मृति समारोह-गोवा, बी.बी.सी.-लंदन, अन्तरराष्ट्रीय संगीत महोत्सव-सेक्रा जर्मनी, अभिनव कला समाज-इंदौर, एम.आई.टी.-बोस्टन, यू.एस.ए., बेवर्ली आर्ट सेंटर-शिकागो, उस्ताद अलाउद्दीन ख़ान स्मृति समारोह-भोपाल, संगीत के अखिल भारतीय कार्यक्रम-आकाशवाणी, भारतीय विद्या भवन-लंदन, वार्षिक रेडियो संगीत सम्मेलन तथा कई और समारोह शामिल हैं।

5. आपको विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया है जिनमें पद्म श्री; राष्ट्रीय तानसेन सम्मान; दो बार प्रदत्त राष्ट्रपति-स्वर्ण पदक, विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डी. लिट की उपाधि; अन्तरराष्ट्रीय पी.वी.पी. द्वारा शताब्दी सम्मान; संगीत विश्व मार्तण्ड; श्रेष्ठ कला आचार्य; तान सम्राट; ओशन ऑव जुअल्स-शिकागो, वॉइस ऑव द सेंचुरी-जर्मनी; हिन्दुस्तान टाइम्स जीवनपर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार; अभिनव संगीत रत्न आदि पुरस्कार शामिल हैं।